



राजपत्र, हिमाचल प्रदेश (असाधारण)

हिमाचल प्रदेश राज्य शासन द्वारा प्रकाशित

शिमला, शनिवार, 15 जनवरी, 2000/25 पौष 1921

हिमाचल प्रदेश सरकार

वित्त विभाग
(कोष तथा लेखा संगठन)

अधिसूचना

शिमला-2, 14 जनवरी, 2000

संख्या फिन (टी आर) बी (2)-2/77-1.—हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल, भारत के संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, हिमाचल प्रदेश लोक सेवा आयोग के परामर्श से इस विभाग की समस्या अधिसूचना तारीख 26-10-1994 द्वारा अधिसूचित हिमाचल प्रदेश वित्त विभाग (कोष तथा लेखा संगठन) में जिला कोषाधिकारी वर्ग-II (राजपत्रित) के पद के भर्ती एवं प्रोन्नति नियम, 1994 में संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात् :—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ.—(1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम हिमाचल प्रदेश वित्त विभाग (कोष तथा लेखा संगठन) जिला कोषाधिकारी वर्ग-II (राजपत्रित) भर्ती एवं प्रोन्नति (प्रथम संशोधन) नियम, 1999 है।

(2) ये नियम राजपत्र, हिमाचल प्रदेश में प्रकाशित किए जाने की तारीख से प्रवृत्त होंगे।

2. उपाबन्ध "अ" का संशोधन.—हिमाचल प्रदेश वित्त विभाग (कोष तथा लेखा संगठन) जिला कोषाधिकारी वर्ग-II (राजपत्रित) भर्ती और प्रोन्नति नियम, 1994 के उपाबन्ध "अ" में :—

(क) स्तम्भ संख्या 4 के सामने विद्यमान उपबन्धों के स्थान पर निम्नलिखित उपबन्ध प्रतिस्थापित किए जाएंगे अर्थात :—

"7220-220-S100-275-10300-340-11660 रुपये"

(ख) स्तम्भ संख्या 11 के सामने विद्यमान उपबन्धों के स्थान पर निम्नलिखित प्रतिस्थापित किए जाएंगे, अर्थात :—

"कोषाधिकारियों में से जिनका तंत्र वर्ष का नियमित सेवाकाल या ग्रेड में 31-3-98 तक की गई लगातार तदर्थ सेवा यदि कोई हो, को शामिल करके 3 वर्ष का संयुक्त नियमित सेवाकाल हो, प्रोन्नति द्वारा।"

(1) प्रोन्नति के सभी मामलों में पद पर नियमित नियुक्ति से पूर्व सम्भरण पद में 31-3-98 तक की गई निरन्तर तदर्थ सेवा, यदि कोई हो, प्रोन्नति के लिए इन नियमों में यथाविहित सेवाकाल के लिए, इस शर्त के अधीन रहते हुए, गणना में ली जाएगी, कि सम्भरण प्रवर्ग में तदर्थ नियुक्ति/प्रोन्नति भर्ती एवं प्रोन्नति नियमों के उपबन्धों के अनुसार चयन की उचित स्वीकार्य प्रक्रिया को अपने-अपने के पश्चात् की गई थी। परन्तु यह कि उन सभी मामलों में जिनमें कोई कनिष्ठ व्यक्ति सम्भरण पद में अपने कुल सेवाकाल (31-3-98 तक तदर्थ आधार पर की गई तदर्थ सेवा सहित जो नियमित सेवा/नियुक्ति के अनुसरण में हो, को शामिल करके) के आधार पर उपर्युक्त निर्दिष्ट उपबन्धों के कारण विचार किए जाने का पात्र हो जाता है वहां अपने-अपने प्रवर्ग/पद/काडर में उससे बरिष्ठ सभी व्यक्ति विचार किए जाने के पात्र समझे जाएंगे और विचार करते समय भी कनिष्ठ व्यक्ति से ऊपर रखे जाएंगे :

परन्तु उन सभी पदधारियों की जिन पर प्रोन्नति के लिए विचार किया जाना है, की वम से कम तंत्र वर्ष की न्यूनतम अर्हता सेवा या पद के भर्ती एवं प्रोन्नति नियमों में विहित सेवा जो भी कम हो, होगी :

परन्तु यह और भी कि जहां कोई व्यक्ति पूर्वगामी परन्तुक की अपेक्षाओं के कारण प्रोन्नति किए जाने के विचार के लिए अपात्र हो जाता है, वहां उससे कनिष्ठ व्यक्ति भी ऐसी प्रोन्नति के विचार के लिए अपात्र समझा जाएगा।

स्पष्टीकरण :—अन्तिम परन्तुक के अन्तर्गत कनिष्ठ पदधारी प्रोन्नति के लिए अपात्र नहीं समझा बरिष्ठ अपात्र व्यक्ति भूतपूर्व सैनिक है, जिसे डिमोबिलाईज्ड आर्मड फोर्सिस परसोनल (रिजर्वेशन जाएगा यदि आफ वेकेंसीज इन हिमाचल स्टेट नॉन-टैक्नीकल सर्विसिज) रुलज, 1972 के नियम 3 के प्रावधानों के अन्तर्गत भर्ती किया गया हो या जिम एकस-सर्विसमैन (रिजर्वेशन आफ वेकेंसीज इन दी हिमाचल प्रदेश टैक्नीकल सर्विसिज) रुलज, 1985 के नियम 3 के प्रावधानों के अन्तर्गत भर्ती किया गया हो व इमक अन्तर्गत वर्गीयता लाभ दिए गए हों।

- (2) इसी प्रकार स्थायीकरण के सभी मामलों में ऐसे पद पर नियुक्ति/प्रोन्नति से पूर्व 31-3-1998 तक की गई तदर्थ सेवा यदि कोई हो, सेवाकाल के लिए गणना में ली जाएगी। यदि तदर्थ नियुक्ति/प्रोन्नति उचित चयन के पश्चात् और भर्ती एवं प्रोन्नति नियमों के उपबन्धों के अनुसार की गई थी :

परन्तु 31-3-1998 तक की गई उपरोक्त निर्दिष्ट तदर्थ सेवा की गणना में लेने के पश्चात् जो स्थायीकरण होगा उसके फलस्वरूप पारस्परिक बरीयता अपरिवर्तित रहेगी।

आदेश द्वारा,

योगेश खन्ना,
वित्तियुक्त एवं सचिव।

[Authoritative English text of this Department Notification No. Fin (TR)B(2)-2/77-I dated 14th January, 2000 as required under clause (3) Article 348 of the Constitution of India].

FINANCE DEPARTMENT
(Treasuries and Accounts Organisation)

NOTIFICATION

Shimla-2, the 14th January, 2000

No. Fin(TR)B(2)-2/77-I.—In exercise of the powers conferred by proviso to Article 309 of the Constitution of India, the Governor, Himachal Pradesh in consultation with the Himachal Pradesh Public Service Commission is pleased to make the following rules to amend the Himachal Pradesh Finance Department (Treasuries and Accounts Organisation) District Treasury Officers Class-II (Gazetted) Recruitment and Promotion Rules, 1994 notified *vide* this department notification of even number dated 26-10-1994, namely:—

1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the Himachal Pradesh Finance Department (Treasuries and Accounts Organisation) District Treasury Officers Class-II (Gazetted) Recruitment and Promotion (1st Amendment) Rules, 1999.

(2) These rules shall come into force from the date of publication in the Rajpatra, Himachal Pradesh.

2. Amendment of Annexure 'A'.—In Annexure 'A' to the Himachal Pradesh Finance Department (Treasuries and Accounts Organisation) District Treasury Officers Class-II (Gazetted) Recruitment and Promotion Rules, 1994:—

- (a) For the existing provisions against Col. No. 4, the following provisions shall be substituted, namely:—

“Rs. 7220-220-8100-275-10300-340-11660”.

- (b) For the existing provisions against Col. II, the following shall be substituted, namely:—

“By promotion from amongst the Treasury Officers having three years regular service or regular combined with continuous *ad hoc* service (rendered up to 31-03-98) if any, in the grade.

- (1) In all cases of promotion, the continuous *ad hoc* service rendered in the feeder post upto 31-3-98, if any, prior to regular appointment to the post shall be taken into account towards the length of service as prescribed in these rules for promotion subject to the condition that *ad hoc* appointment/promotion in the feeder category had been made after following proper acceptable process of selection in accordance with provisions of Recruitment and Promotion Rules provided that:—
- (i) In all cases where a junior person becomes eligible for consideration by virtue of his total length of service (including the service rendered on *ad hoc* basis upto 31-3-1998) in the feeder post in view of the provisions referred to above all persons senior to him in the respective category/post/cadre shall be deemed to be eligible for consideration and placed above, the junior person in the field of consideration :

Provided that all incumbents to be considered for promotion shall possess the minimum qualifying service of atleast 3 years or that prescribed in the Recruitment and Promotion Rules for the post, whichever is less :

Provided further that where a person becomes ineligible to be considered for promotion on account of the requirements of the preceding proviso, the person(s) junior to him shall also be deemed to be ineligible for consideration for such promotion.

Explanation.—The last proviso shall not render the junior incumbents ineligible for consideration for promotion if the senior ineligible person(s) happened to be *Ex-servicemen* recruited under the provisions of rule 3 of the Demobilized Armed Forces Personnel (Reservation of Vacancies in Himachal State Non-Technical Services) Rules, 1972 and having been given the benefit of seniority thereunder or recruited under the provision of rule 3 of *Ex-Servicemen* (Reservation of Vacancies in the Himachal Pradesh Technical Services) Rules, 1985 and having been given the benefit of seniority thereunder.

- (2) Similarly, in all cases of confirmation, continuous *ad hoc* service rendered in the feeder post upto 31-3-98 if any, prior to the regular appointment against such post shall be taken into account towards the length of service, if the *ad hoc* appointment/promotion had been made after proper selection and in accordance with the provisions of Recruitment and Promotion Rules :

Provided that *inter-se* seniority as a result of confirmation after taking into account *ad hoc* service rendered upto 31-3-98 as referred to above shall remain unchanged.

By order,

YOGESH KHANNA,

Financial Commissioner-cum-Secretary.